परिणामस्वरूप कर्ल हेयरलाईन और बीच वाले हिस्से से अलग हो जाते है।

डबल हेलो रैप **(Double halo wrap)** :- इस विधि मे बाल को आठ भागो में बाँटा जाता है। टेल कंघी को माथे की मध्य रेखा से पीछे ले जाते हुए गर्दन तक सीधी रेखा में बाल को दो भागों में विभाजित करें। अब दाएं कान से बाएं कान तक आगे के बाल को दो भागों में विभाजित

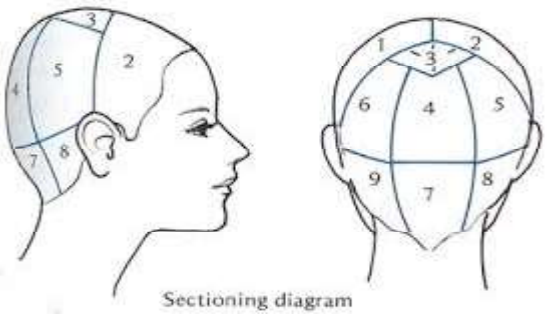

Sectioning diagram

कर दें। पीछे के भाग को छ भागों में विभाजन करें।

स्टाइलिंग परमिंग **(Stying perming)**: बाल को ग्राहक के इच्छानुसार पर्म करने की क्रिया को स्टाइलिंग परमिंग कहते है। सैलून में प्रयोग किए जाने वाले विभिन्न परमिंग तकनीक निम्नलिखित है।

रूट पर्म **(Root perm)**: यह पर्म केश के सिरों पर बिना कर्ल का निर्माण किए बालों को फुलाकर उनका आयतन बढाता है। केश के सिरों पर लोशन का प्रयोग नही करते। इसका परिणाम ज्यादा देर तक नही रहता।

आंशिक पर्म **(Partial perm)**: ऐसे पर्म जो पूरे सिर के बाल पर असर नही डालते। इसका प्रयोग पर्म से अभी अभी मुक्त हुए बालों को तरोताजा रखने के लिए किया जाता है। बाल के जिस हिस्से पर पर्म का प्रयोग करना है उन्हें अलग कर लें और बाकी हिस्से को क्लिप लगाकर छोड़ दें। ध्यान रहें कि क्लिप किए हुए बालों पर लोशन न लगे।

लम्बे बालों के लिए पर्म **(Perm for long hair)**: लम्बे बालों के लिए विभिन्न तरह की पर्म तकनीके प्रयोग में लाई जाती है।

एंड पर्म **(End perm)** : लम्बे बालों के लिए यह सबसे पहली तकनीक है जिसमें सिर के ऊपर के भागों से बाल को नीचे गिरा दिया जाता है और अवतल रॉड के द्वारा केवल सिर के नीचे बाँधा जाता है। इसे पोनी टेल रैप (Pony tail wrap) भी कहते है। प्रक्रिया के दौरान ध्यान रहें कि पोनी टेल चेहरे के पास व सिर की चमड़ी के पास न लगे।

स्टैक पर्म **(Stack perm)**: इसका परिणाम वही होता है जैसे सिर पर कर्ल बनाने का होता है। लेकिन इसमें कर्ल्स के इस्तेमाल से कर्ल की एक निश्चित रेखा बनती है। जो शिरोवल्क से अपनी मनचाही दूरी पर स्थित होती है। हेयर लाइन से शुरूआत करते हुए एक दो छड़ों को बालों में लपेटे और मनचाहे कोण पर स्थित करें। इस क्रिया में छड़ों को ऊपर की ओर सरकाते रहे। ताकि कर्ल परीक्षण के लिए जगह मिलें।

एंड पर्म: सिर के ऊपर के बालों को नीचे गिराकर और अवतल छड़ों की मदद से सिर्फ सिरे के नीचे की ओर बाँधा जाता है।

रिवर्स स्टैक: इस क्रिया में रॉड को ऊपर की तरफ लपेटा जाता है। यह क्रिया सिरे के ऊपर वाले स्थान से लपेटने की शुरूआत करती है।

पोनिटेल रैप: लम्बे बालों के लिए यह अंत कर्ल की एक विशेष तकनीक है जिसमें सिर के ऊपरी हिस्से को खींचकर पोनीटेल बनाई जाती है और नीचे के बालों पर रॉड लगाकर पर्म किया जाता है। इस क्रिया में ना सिर की चमड़ी पर और ना ही पूरे बालों पर लोशन का प्रभाव पड़ता है।

रैपिंग प्रक्रिया एंड पेपर्स के द्वारा **(Wrapping technique with end papers)**:

बाल को छड के उपर लपेटते हुए सिर (Scalp) की तरफ ले जाना प्रक्रिया कहलाता है। यह प्रक्रिया देखने में सरल लगती है। किंतु इस प्रक्रिया में अभ्यास की आवश्यकता है। एंड पेपर का प्रयोग बाल के अंतिम छोर को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।

रैपिंग प्रविधि :

नाम	क्रिया

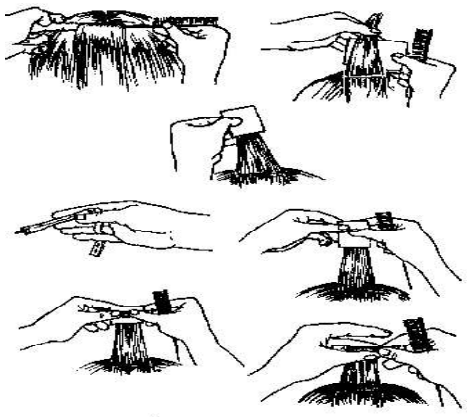

सिंगल फ्लैट रैप (Single flat Wrape)	यह मुख्यतः स्ट्रेट छड के लिए प्रभावी होता है।

डबल फ्लैट रैप (Double flat Wrape) **इसके अंतगर्त एक एंड पेपर बाल के स्ट्रेन्ड के उपर और दूसरा उसके नीचे रखते हुए लपेटा जाता है।**

बुक एंड रैप (Book end Wrape) **कॉनकेव छड पर एंड पेपर का प्रयोग क्षितिज** (Horizontically) **लपेटा जाता है।**

ट्राईफोल्ड रैप (Trifold Wrape) **यह विधि लंबे बालो में प्रयोग की जाती है। जिसमें पेपर को तीन बार मोडकर लपेटा जाता है।**

कुशन रैप (Cusion Wrape) **इसका प्रयोग रासायनिक श्रतिग्रस्त बाल पर प्रयोग किया जाता है। जिससे बालो पर अधिक खिचाव न आए। लम्बे बालों के लिए डबल फ्लैट रैप की तकनीक के द्वारा कुशन रॉड प्रयोग होती है।**

ग्राहक परार्मश/सिर की त्वचा का परिक्षण (Client Consultation/Scalp analysis) :

अभ्यास 2.4.03 से सम्बन्धित सिद्धांत

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप सीख पायेंगें

- ग्राहक परार्मश एंव रिकार्ड कार्ड
- सिर की त्वचा का परिक्षण

ग्राहक परार्मश (Client Consultation) :

ग्राहक परार्मश में ग्राहक के बाल की लंबाई, बनावट, रंग, व हालात का पूरा लेखाजोखा करने के साथ ही सेवा दी जाने वाली अपेक्षित परिणामों का निर्धारण करता है। ग्राहक का इतिहास पर्म के प्रकार, रैपिंग तकनिक, प्रक्रिया, समय और अंतिम परिणाम की जानकारी भी रखी जाती है। रसायनिक सेवाओं के लिए रिकार्ड कार्ड रखना अनिवार्य है।

परमिंग रिकॉर्ड कार्ड (Perming Record Card)

नाम : ..... मोबाइल नं० .....

पता : .....

बाल के प्रकार :					
लम्बाई	संरचना		छिद्रिलता	हालत	
छोटा	खुरदरा	लेकिन सामान्य	अति छिद्रिल	बहुत अच्छा	
मध्यम	सामान्य		संतुलित	अच्छा	
लम्बा	अच्छे से पर्म हुआ		सामान्य	सूखा/तैलीय	

किस से पर्म हुआ : .....

पिछली बार किससे पर्म किया गया / सामान्य बाल : .....

पर्म लोशन का प्रकार : .....

परिणाम

अच्छा		बुरा	बहुत कसा हुआ		बहुत ढीला
दिनांक	प्रयोग किया गया पर्म	केश प्रसाधक	दिनांक	प्रयोग किया गया पर्म	केश प्रसाधक

सिर की त्वचा का परिक्षण (Scalp analysis)

बाल व सिर की त्वचा का परिक्षण एक सफल रासायनिक के सेवा का महत्वपूर्ण अंग है। इसकी मदद से हम अनुमान लगा सकते है कि परिणाम सफल होंगे या नही। सिर की त्वचा का परिक्षण छः अति महत्वपूर्ण विधियों द्वारा किया जा सकता है।

1. सिर की त्वचा की स्थिति (Scalp Condition)
2. संरचना (Texture)
3. घनत्व (Density)
4. छिद्रिलता (Porosity)
5. प्रत्यस्थता या लोच (Elasticity)
6. केश की लंबाई एंव वर्धन प्रारूप (Hair Length and Growth Pattern)

1. सिर की त्वचा की स्थिति (Scalp Condition) : सिर की त्वचा पर किसी भी प्रकार के जलन, लाल चकते, व खुले हुए जख्मो का अच्छे से निरिक्षण करें। खुले दातों वाली कंघी से उलझनो को सुलझाएं। ध्यान रखें कि सिर की त्वचा खुरचे नहीं। यदि किसी भी प्रकार की समस्या नही दिखती है तो परमिंग प्रक्रिया को प्रयोग में लाए, अन्यथा न करें।

2. संरचना (Texture) : बाल की संरचना का परिक्षण करने के लिए केश की लट को लें और सुनिश्चित करें कि वह रूखी है। अब देखें की संरचना अच्छी है या बहुत अच्छी है। रूखे बाल में स्थाई तरंग विलयन (Perming lotion) कठिनाई से अंदर घुसता है। जबकि अच्छे बाल व सामान्य बालों में कोई परेशानी नही होती है।

3. घनत्व (Density) : बाल के घनत्व से हमे पता चलता है कि सिर पर कितने बाल है। अलग-अलग व्यक्तियों के सिर पर बाल का घनत्व अलग-अलग हो सकता है।

4. छिद्रिलता (Porosity) : बाल की छिद्रिलता उसकी नमी सोखने की क्षमता को कहते है। बाल की छिद्रिलता सिधे तौर पर क्यूटिकल (Cuticle) की परत के उपर निर्भर करता है। छिद्रिलता को तीन भागों में बाटां गया है।

1. प्रतिरोधी - बाल कडे होते है । कोई भी रसायन या तरल पदार्थ आसानी से प्रवेश नही कर सकता।
2. सामान्य - बाल में कोई विरोध नही होता।
3. छिद्रिल - बाल में आवश्यकता से अधिक मात्रा में परमिंग लोशन प्रवेश हो सकता है।

5. प्रत्यस्थता या लोच (Elasticity) : परमिंग करते समय बाल का लोच एक महत्वपूर्ण कारक है। लोच के बिना केश में कोई घुघंरालापन लाना संभव नही हो सकता। बाल में खिचाव पैदा करने पर टूट भी सकते है। लोच जितना ज्यादा होगा बाल में घुंघर (Curl) उतना अच्छा परिणाम देगा।

6. केश की लंबाई एंव वर्धन प्रारूप (Hair Length and Growth Pattern) : केश की लंबाई भी एक महत्वपूर्ण कारक है। ग्राहक अपने बाल छः इंच या उससे लंबा रखता है तो वेविंग या रैपिंग (Wraping) में कई तरह की समस्या हो सकती है। अधिक लंबे बाल भारी होने के कारण पर्म को अधिक देर तक टिकने नही देता इसलिए पर्मिंग करते समय बाल की लंबाई, संरचना, लोच और घनत्व का ध्यान रखना अति आवश्यक है।

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप सीख पायेंगें

- पर्मिंग मे प्रयोग होने वाले उत्पाद का ज्ञान
- बाल लट टेस्ट ज्ञान और प्रक्रिया
- पर्मिंग की क्रमानुसार प्रक्रिया ।

उत्पाद का ज्ञान (Product Knowledge)

स्थाई वेविंग कारक (Parmanent Waving Agent)

1. थिओग्लाईकोलिक अम्ल (Thioglycolic Acid) : एक सामान्य स्थाई वेविंग लोशन है। यह एक बदबूदार रंगहीन द्रव है। थिओग्लाईकोलिक अम्ल हाईड्रोजन उत्तसर्जित करता है जिसके फलस्वरूप स्थाई वेविंग विलयन में रूपांतरण प्रक्रिया होती है। कडे पर्म लोशन में थियो (Thio) के साथ हाईड्रोजन की भी मात्रा ज्यादा होती है। हाईड्रोजन अणुओं की मात्रा जितनी ज्यादा होगी, डायसल्फाइड बंधन भी उतनी ही मात्रा मे टूटेंगे।

अमोनियम थियोग्लयकोलेट (Ammonium Thioglycolate / ATG)

यह एक क्षारीय कारक है। जो आज के समय में एक प्रमुख उत्प्रेरक तत्व या रूपांतरण कारक है। जो क्यूटिकल को आसानी से खोलकर प्रवेश कर सकता है।

स्थायी परमिंग उदासीनीकरण (Perming Neutrelizer) :

उदासीनीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें परमिंग लोशन के कार्य को रोक कर बाल को उसके नए रूप में ही ठोस कर देना है। ऑक्सीकरण इसमें होने वाली रासायनिक क्रिया है। जिसका अर्थ बाल को चमकदारबनाना है। उदासीनीकरण हाईड्रोजन अणुओं को हटा देता है। व नये डाइसल्फाइड बंधन को जोडने की क्रिया करता है। जिससे डाइसल्फाइड बंधनो का पूर्ण निर्माण होता है।

स्ट्रैंड टेस्ट ज्ञान और प्रक्रिया (Strand test Knowledge & Procedure)

किसी भी रासायनिक क्रिया को बाल पर पहली बारी करने से पहले स्ट्रैंड टेस्ट करना आवश्यक है। इसे प्री पर्म टेस्ट कर्ल भी कहते है। जब ग्राहक पहली बार परमिंग का ट्रीटमेंट के लिए सैलून में आए तो स्टैंड टेस्ट लेना अनिव

- सिर के किसी एक हिस्से जैसे उपर सिर की रेखा, कान के पिछे, क्राउन क्षेत्र आदि पर किया जा सकता है।
- हाथो को कीटाणुरहित करें।
- ग्राहक को आरामदायक अवस्था में बिठाएँ।
- बाल और सिर की चमडी का निरीक्षण करें।
- परमिंग देने से पहले बाल का शैम्पू करें (कंडीशनर रहित)।
- रॉड का चुनाव करें और परमिंग लोशन को स्ट्रैंड टेस्ट कर्ल करते हुए लगाए।
- कर्ल का निर्माण तब पूरा होता है जब एक अच्छे सुगठित एंव वांछित "S" का निर्माण हो जाए।

- निर्धारित समय देने के पश्चात गुनगुने पानी से कर्ल को धो दे और तौलिए से सुखाए। ध्यान रहें कि कर्ल खुले ना।
- न्यूट्रीलाईजर को रूई की सहायता से कर्ल पर लगाए और परिणाम का इंतजार करें।
- संतोषजनक परिणाम प्राप्त होने पर गुनगुने पानी से कर्ल को धो लें जिससे न्यूट्रीलाईजर पूरी तरह से बाल से निकल जाए।
- कर्ल को खोले यदि कोई जलन या खुजली आदि नही है तो बाकी बाल में परमिंग की जा सकती है।
- इस परिक्षण कर्ल पर दौबारा पर्म का प्रयोग ना करें।
- अब आप पूरे बाल में परमिंग कर सकते है।